अकादमी के पुरस्कार

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने 64 पुरस्कारों की स्थापना की है जिन्हें मुख्य रूप से निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:–

(क) अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

(ख) सामान्य पदक व व्याख्यान पुरस्कार

(सी) विषयवार पदक/व्याख्यान

(डी) युवा वैज्ञानिकों के लिए पुरस्कार

(ई) **इन्सा** शिक्षक पुरस्कार

(क) अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

(क) **इन्सा – वेणु बापू स्मारक पुरस्कार**

इस पुरस्कार की स्थापना 1985 में स्वर्गीय डॉ। मनाली वेणु बापू, एक प्रख्यात खगोलविद और अकादमी के फैलो की मां श्रीमती सुनन्ना बापू द्वारा एक अक्षय निधि से किया गया था।

पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने माने खगोल वैज्ञानिक/ खगोल भौतिक शास्त्री को दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार की घोषणा 1985 में की गई थी। पुरस्कार में एक कांस्य पदक, रु 25,000 का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र होते हैं। सभी देशों के वैज्ञानिक इसके लिए पात्र हैं। यदि किसी विदेशी वैज्ञानिक को यह पुरस्कार दिया जाता है तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय विमान किराया और मानदेय की नकद राशि के समकक्ष अमरीकी डॉलर दिया जाता है।

(ख) **जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पदक**

पुरस्कार अकादमी द्वारा 1989 में स्थापित किया गया था। पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए और जनता में विज्ञान की समझ को बढ़ावा देने के लिए योगदान के लिए दिया जाता है। सभी देशों के वैज्ञानिकों की पात्रता पर विचार किया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1990 में दिया गया था। पुरस्कार में एक पट्टिका और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

इंसा के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार के वर्ष के पूर्ववर्ती वर्ष में अक्टूबर में हुई अपनी बैठक में परिषद के समक्ष विचार के लिए नामों का सुझाव दिया जाएगा। परिषद द्वारा चयनित नाम की घोषणा अकादमी की वार्षिक आम बैठक में की जाएगी।

(ग) **पीएमएस ब्लैकेट स्मारक व्याख्यान और जेसी बोस स्मारक व्याख्यान**

इन पुरस्कारों की स्थापना अकादमी की जनरल फंड से 2011 में किया गया था और विज्ञान की किसी भी शाखा में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक इसके लिए योग्य है। पुरस्कार एकान्तरिक रूप से तीन साल में एक बार दिया जाएगा; यानी 2013 (पहला ब्लैकेट मेमोरियल व्याख्यान), 2016 (पहला जेसी बोस मेमोरियल व्याख्यान), 2019 (दूसरा ब्लैकेट मेमोरियल व्याख्यान) और क्रमशः। पुरस्कार में 25,000/– रुपए का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। सभी देशों के वैज्ञानिकों इसके लिए पात्र हैं। यदि एक विदेशी वैज्ञानिक को यह पुरस्कार दिया जाता है तो अंतरराष्ट्रीय विमान किराये की प्रतिपूर्ति की जाएगी और मानदेय का समकक्ष मूल्य अमेरिकी डॉलर में उपलब्ध कराया जाएगा। संपूर्ण फैलोशिप से नामांकन आमंत्रित किये जायेंगे।

(ख) सामान्य पदक और व्याख्यान

पदक

(क) *विज्ञान की किसी भी शाखा में*

(1) चंद्रशेखर वेंकटरमण पदक

(2) शांति स्वरूप भटनागर पदक

(3) मेघनाद साहा पदक

(4) आर्यभट्ट पदक

उपरोक्त पदक अकादमी के दायरे में आने वाले विज्ञान की किसी भी शाखा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिए जायेंगे। अध्यक्ष इंसा द्वारा पुरस्कार के वर्ष के दिसंबर या जनवरी में आयोजित होने वाली एक बैठक में नाम का सुझाव दिया जाएगा जिसकी घोषणा परिषद की वर्षगांठ आम बैठक में की जाएगी।

पुरस्कृत व्यक्ति को अकादमी की अगली वार्षिक आम बैठक या किसी सामान्य बैठक में अपनी पसंद के विषय पर एक व्याख्यान देना होगा। पुरस्कार एक ताम्र पदक (गोल्ड प्लेटेड) और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

(ख) *विज्ञान को लोकप्रिय बनाना*

(1) **विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार**

1. पुरस्कार 1986 में अकादमी द्वारा देश में विज्ञान की लोकप्रियता को प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित किया गया था। पुरस्कार तीन साल में एक बार किसी भी व्यक्ति द्वारा अंग्रेजी सहित किसी भी भारतीय भाषा में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जाएगा। नामांकित व्यक्ति एक लेखक, संपादक, पत्रकार, व्याख्याता, रेडियो या टीवी कार्यक्रम निदेशक, विज्ञान फोटोग्राफर के रूप में एक प्रतिष्ठित कैरियर होना चाहिए जिसके कारण वह विज्ञान (चिकित्सा सहित) अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की व्याख्या आम जनता के लिए करने में सक्षम हो सका। उसे सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने में विज्ञान के योगदान और मानवता की समस्याओं के समाधान में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान की भूमिका का ज्ञान होना चाहिए। प्रथम पुरस्कार 1986 में दिया गया था।

   पुरस्कार देश में रहने वाले किसी भी भारतीय नागरिक को दिया जा सकता है और इसमें 25,000 रुपये का मानदेय, प्रशस्ति पत्र और एक कांस्य पदक शामिल है।

2. पुरस्कार के लिए विचार के लिए नामांकन इंसा अध्येता, कुलपति, डीन, प्रधानाध्यापकों, प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशक और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं और चयनित भारतीय विज्ञान पत्रिकाओं के संपादकों से आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए विज्ञापन भी चयनित लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं में सम्मिलित किया जाएगा।

   (1) नाम और पद के उम्मीदवार का पता, (2) नाम, पदनाम और नामजद करने वाला व्यक्ति का पता, (3) नामांकित व्यक्ति द्वारा किए गए कार्य का सारांश नामांकन (लगभग 200 शब्दों) जो नामांकन पत्र निर्दिष्ट करने का आधार बनेगा (4) एक वृहत् बयान (1000 शब्दों में) जिसमें विज्ञान को लोकप्रिय बनाने की दिशा में नामित व्यक्ति के कैरियर के बारे में अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध हो, (5) नामांकित व्यक्ति का जीवन वृतांत (तीन पृष्ठों से अधिक नहीं) और नामांकित व्यक्ति की प्रकाशित सामग्री की सूची। जूरी द्वारा देखने के लिए उपलब्ध कराया जाना महत्वपूर्ण कार्यों के जेरॉक्स प्रतियों के पांच सेट, (6) प्रस्तुत काम (आंशिक या पूरा) किसी भी अन्य पुरस्कार के लिए स्वीकार किया गया है कि नहीं, और (7) तीन संदर्भो के नाम (पते और टेलीफोन नंबर के साथ) जिन्हें अधिक जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है। अकादमी में नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है।

3. अध्यक्ष, इंसा, अपने अलावा चार सदस्यों की एक समिति नियुक्त करेंगे जो नामांकन पर विचार करेगी और परिषद के लिए सिफारिशें करेगी। यदि आवश्यक हो तो समिति को क्षेत्र में विशेषज्ञों से परामर्श करने का अधिकार होगा। निर्णय के लिए अखबारों, पत्रिकाओं, लोकप्रिय पुस्तकें और रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों और फिल्मों के लिए तैयार लिपियों में लिखने की सामग्री को शामिल किया जाएगा। पहल, मौलिकता, वैज्ञानिक सटीकता, उत्साह, रुचि और विज्ञान की समझ पैदा करने की व्याख्या और प्रभाव की स्पष्टता प्रविष्टियों को पहचानने के लिए महत्वपूर्ण मापदंड होगा। पहले से ही किसी अन्य पुरस्कार के लिए मान्यता प्राप्त कार्य नहीं माना जाएगा। समिति की सिफारिशों पर दिसंबर/जनवरी में परिषद द्वारा विचार किया जाएगा। पुरस्कार के लिए चयनित व्यक्ति के नाम की घोषणा अकादमी की वर्षगांठ आम बैठक में की जाएगी।

(ख) विज्ञान का संवर्धन और सेवा के लिए इंसा पदक

पदक की स्थापना वर्ष 2001 में अकादमी द्वारा भारत में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए असाधारण सेवा प्रदान करने वाले लोगों को पहचानने के उद्देश्य से की गयी थी।

पदक भारत में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए असाधारण सेवा के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार किसी भी भारतीय नागरिक के लिए खुला है और इसमें एक स्वर्ण पदक (20 ग्राम) और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। अध्यक्ष, इंसा, परिषद द्वारा विचार के लिए, दिसंबर/जनवरी में आयोजित होने वाली परिषद की बैठक में नामों का सुझाव देंगे और चयनित पुरस्कार नाम की घोषणा वर्षगांठ आम बैठक में की जाएगी, है कि करेगा। प्रथम पुरस्कार वर्ष 2002 में दिया गया था।

व्याख्यान

विज्ञान की किसी भी शाखा के लिए

(1) शिशिर कुमार मित्रा स्मारक व्याख्यान

व्याख्यान स्वर्गीय प्रोफेसर शिशिर कुमार मित्रा, जो फाउंडेशन फैलो और अकादमी के पूर्व अध्यक्ष थे की स्मृति में अकादमी की जनरल फंड से वर्ष 1963 में स्थापित किया गया था। प्रथम पुरस्कार वर्ष 1966 में दिया गया था।

(2) करियामनिक्कम श्रीनिवास कृष्णन स्मारक व्याख्यान

व्याख्यान स्वर्गीय प्रोफेसर करियामनिक्कम श्रीनिवास कृष्णन, जो फाउंडेशन फैलो और अकादमी के पूर्व अध्यक्ष थे की स्मृति में अकादमी के जनरल फंड से वर्ष 1965 में स्थापित किया गया था। प्रथम पुरस्कार वर्ष 1969 में दिया गया था।

(3) दौलत सिंह कोठारी स्मारक व्याख्यान

व्याख्यान स्वर्गीय प्रोफेसर दौलत सिंह कोठारी, जो एक प्रतिष्ठित अध्येता और अकादमी के पूर्व अध्यक्ष थे की स्मृति में अकादमी की जनरल फंड से वर्ष 1993 में स्थापित किया गया था। प्रथम पुरस्कार वर्ष 1996 में दिया गया था।

अध्यक्ष, इंसा, परिषद द्वारा विचार के लिए दिसंबर/जनवरी में आयोजित परिषद की बैठक में नामों का सुझाव देंगे और परिषद द्वारा चयनित नामों की घोषणा वर्षगांठ आम बैठक में की जाएगी। व्याख्यान पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र और 25,000 रुपये का मानदेय भी शामिल है।

(4) जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी व्याख्यान

व्याख्यान अकादमी की सामान्य फंडों से 1989 में स्थापित किया गया था। तीन साल में एक बार दो भारतीय वैज्ञानिकों को सम्मानित किया जाता है। एक पुरस्कार भौतिक विज्ञान (सेक्शन कमिटी 1 से 6) और दूसरा जीव विज्ञान (सेक्शन कमिटी 7 से 12) में दिया जाएगा। लेक्चरशिप में 25,000 रुपए का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र शामिल है।

अध्यक्ष, इंसा, पुरस्कार वर्ष की पूर्ववर्ती अक्टूबर में आयोजित होने वाले बैठक में परिषद द्वारा विचार के लिए नामों का सुझाव देंगे। परिषद द्वारा चयनित नामों की घोषणा अकादमी की वार्षिक आम बैठक में की जाएगी।

(स) विषयवार पदक/व्याख्यान/पुरस्कार

(अ) अकादमी द्वारा संस्थापित पदक

(1) **श्रीनिवास रामानुजन पदक**
– गणितीय विज्ञान के लिए

(2) **सत्येंद्रनाथ बोस पदक**
– भौतिकी के लिए

(3) **होमी जहांगीर भाभा पदक**
– भौतिकी के लिए

(4) **जगदीश चन्द्र बोस पदक**
– जैव रसायन, जैव भौतिकी, आण्विक जीवविज्ञान और संबंधित क्षेत्रों के लिए

(5) **सुंदर लाल होरा पदक**
– पशु विज्ञान के लिए

(6) **दाराशाव नोशेरवानजी वाडिया मेडल**
– भूगोल सहित पृथ्वी विज्ञान के लिए

(7) **प्रशांत चंद्र महालनोबिस पदक**
– गणितीय विज्ञान के लिए

(8) **सैयद हुसैन ज़हीर पदक**
– इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के लिए

(9) **रजत जयंती स्मरणोत्सव पदक**
– कृषि विज्ञान के लिए

(10) **स्वर्ण जयंती स्मरणोत्सव पदक**
– रसायन विज्ञान के लिए

(11) **स्वर्ण जयंती स्मरणोत्सव पदक**
– पशु विज्ञान के लिए

(12) **कलपति रामकृष्ण रामनाथन पदक**
– वायुमंडलीय विज्ञान और मौसम विज्ञान के लिए

पदक विज्ञान के संबंधित निकाय में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा। उत्कृष्टता इस आधार पर मापी जाएगी कि उम्मीदवार के वैज्ञानिक कार्य का प्रभाव कितने लंबे समय तक महसूस किया गया। पुरस्कार में एक ताम्र पदक (रजत मढ़वाया) और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

(2) ***विन्यास पदक****

1. **विश्वकर्मा पदक**

पदक डॉ. पुलिन बिहारी सरकार, अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता द्वारा एक अक्षय निधि से 1976 में स्थापित किया गया था।

पदक प्रख्यात वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों या इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में नई खोज या अन्वेषन या भारत में एक मौजूदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सुधार करने के लिए जिसके परिणामस्वरूप एक नए उद्योग की शुरूआत हो सकी जिससे सस्ता या बेहतर उत्पाद संभव हो सका। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पहला पदक 1979 में दिया गया।

***** अपर्याप्त कोष के कारण अप्रैल 2011 में संपन्न परिषद के निर्णय के अनुसार ***** चिह्नित पदक व्याख्यान/पुरस्कार निलंबित कर दिया गया है।

2. **प्रोफेसर ब्रह्म प्रकाश स्मारक पदक**

पुरस्कार अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता स्वर्गीय डॉ. ब्रह्म प्रकाश, के दोस्तों द्वारा 1987 में श्रीमती आर ब्रह्म प्रकाश के एक विन्यास से स्थापित किया गया था।

पुरस्कार किसी भी वैज्ञानिक/अभियंता को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1989 में दिया गया था।

3. **प्रोफेसर श्याम बहादुर सक्सेना स्मारक पदक**

पुरस्कार श्रीमती सरला सक्सेना द्वारा एक विन्यास से प्रतिष्ठित वनस्पतिशास्त्री और अकादमी के अध्येता स्वर्गीय प्रोफेसर श्याम बहादुर सक्सेना की स्मृति में 1989 में स्थापित किया गया था।

पुरस्कार प्रख्यात वैज्ञानिक को पादप विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1990 में दिया गया था।

4. **प्रोफेसर जीएन रामचंद्रन की 60वीं सालगिरह स्मरणोत्सव पदक**

पुरस्कार प्रोफेसर जीएन रामचंद्रन, अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की 60वीं सालगिरह मनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा एक विन्यास से 1989 में स्थापित किया गया था।

पुरस्कार प्रख्यात वैज्ञानिक को जैव रसायन और जैवभौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रु का मानदेय, एक प्रशस्ति पत्र और एक कांस्य पदक दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1991 में दिया गया था।

*5. **प्रोफेसर टीआर शेषाद्रि सत्तरवां जन्मदिवस स्मरणोत्सव पदक**

पदक एक प्रतिष्ठित जैविक रसायनज्ञ, अकादमी के अध्येता और पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर शेषाद्रि के छात्रों द्वारा एक विन्यास से 1971 में स्थापित किया गया था।

पदक किसी भी वैज्ञानिक को रासायनिक विज्ञान में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पहला पदक 1973 में दिया गया।

6. **प्रोफेसर केपी भार्गव स्मारक पदक**

पदक स्वर्गीय प्रोफेसर केपी भार्गव, एक प्रख्यात औषध विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में, श्रीमती सावित्री भार्गव द्वारा किए गए एक विन्यास से 1992 में स्थापित किया गया था।

वैज्ञानिक का चयन आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु किया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रु का मानदेय, एक प्रशस्ति पत्र और एक कांस्य पदक दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1996 में दिया गया था।

7. **प्रोफेसर के नाहा स्मारक पदक**

पदक स्वर्गीय प्रोफेसर क्षितिन्द्र मोहन नाहा, एक प्रख्यात भूविज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में प्रोफेसर नाहा के परिवार के सदस्यों द्वारा एक विन्यास से 1996 में स्थापित किया गया था।

वैज्ञानिक का चयन पृथ्वी विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान हेतु किया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रु का मानदेय, एक प्रशस्ति पत्र और एक कांस्य पदक दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1998 में बनाया गया था।

8. **प्रोफेसर कृष्ण सहाय बिलग्रामी स्मारक पदक**

पदक स्वर्गीय प्रोफेसर कृष्ण सहाय बिलग्रामी, एक प्रख्यात वनस्पति विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता के परिवार, साथियों और छात्रों द्वारा योगदान के विन्यास से 1998 में स्थापित किया गया था।

पदक किसी वैज्ञानिक को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया जाता है। पुरस्कार में एक कांस्य पदक, 25,000 रुपए का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 2001 में दिया गया था।

9. **चंद्रकला होरा स्मारक पदक**

पदक श्रीमती होरा और डॉ. सुंदर लाल होरा, एक प्रतिष्ठित अध्येता और अकादमी के पूर्व अध्यक्ष द्वारा उनकी बेटी की स्मृति में एक निधि से 1945 में स्थापित किया गया था।

पदक पशु विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रख्यात वैज्ञानिक को दिया है। पुरस्कार में 25,000 रुपए का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पहला पदक 1950 में दिया गया।

*10. **श्री धनवंत्री पुरस्कार**

पुरस्कार की स्थापना 1969 में श्री अनंत कृष्णा आसुंदी द्वारा उनकी सबसे छोटी बेटी श्रीमती अकादेवी की स्मृति में एक विन्यास से की गयी।

पुरस्कार आयुर्विज्ञान की किसी भी शाखा में भारत में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों को दिया जाता है। पुरस्कार में रु 25,000 का मानदेय, एक कांस्य पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पहला पदक 1971 में दिया गया।

11. **प्रोफेसर भीम शंकर त्रिवेदी स्मारक पदक**

पदक स्वर्गीय प्रोफेसर बी एस त्रिवेदी, एक प्रतिष्ठित पैलियो वनस्पतिशास्त्री और अकादमी के अध्येता के परिवार के सदस्यों द्वारा किए गए एक विन्यास से 2013 में स्थापित किया गया था।

पदक चिकित्सा और मनोविज्ञान सहित जैविक विज्ञान की किसी भी शाखा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रख्यात वैज्ञानिक को दिया जाता है। पुरस्कार में एक कांस्य पदक, 25,000 रुपए का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 2014 में दिया जाएगा।

(3) **विन्यास व्याख्यान**

1. **प्रोफेसर बाल दत्तात्रेय तिलक व्याख्यान**

व्याख्यान पुरस्कार रंजक रसायन विज्ञान और जैविक रासायनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने शोध के लिए प्रतिष्ठित अकादमी के अध्येता प्रोफेसर बीडी तिलक की स्मृति में प्रोफेसर बीडी तिलक वैज्ञानिक अनुसंधान और शिक्षा ट्रस्ट, पुणे द्वारा एक विन्यास से 1982 में स्थापित किया गया था।

वैज्ञानिक का चयन ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जीवन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अभिनव और प्रभावी योगदान हेतु दिया है। पुरस्कार में 25,000 रु का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1983 में दिया गया था।

*2. **डॉ. टीएस तिरुमूर्ति स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान श्रीमती जानकी रामचंद्रन, स्वर्गीय डॉ. तिरुनेलवेली सुब्बैयर तिरुमूर्ति, एक प्रतिष्ठित चिकित्सा वैज्ञानिक और अकादमी के फाउंडेशन अध्येता की बेटी ने एक विन्यास से 1985 में स्थापित किया गया था।

वैज्ञानिक का चयन चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1985 में दिया गया था।

3. **डॉ. नित्या आनंद विन्यास व्याख्यान**

व्याख्यान डॉ. नित्या आनंद, एक प्रख्यात रसायनज्ञ और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की 60वीं सालगिरह का जश्न मनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा एक विन्यास से 1986 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान नई दवा के विकास सहित जैव चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु एक वैज्ञानिक के द्वारा दिया जाएगा। पुरस्कार पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में किए गए कार्य के आधार पर दिया जाएगा। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1987 में दिया गया था।

*4. **पदार्थ विज्ञान के लिए इंसा पुरस्कार**

व्याख्यान 1981 में आयोजित 'एप्लीकेशन ऑफ मॉसबार इफैक्ट'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आयोजन समिति द्वारा विन्यास से 1986 में स्थापित किया गया था।

पुरस्कार पदार्थ विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। पुरस्कार में रु 25,000 का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1987 में दिया गया था।

5. **प्रोफेसर एस स्वामीनाथन 60वीं सालगिरह स्मरणोत्सव व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर एस स्वामीनाथन, एक प्रख्यात जैविक रसायनज्ञ और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की याद में प्रोफेसर एस स्वामीनाथन 60वीं सालगिरह स्मरणोत्सव समिति द्वारा एक विन्यास से 1990 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1992 में दिया गया था।

6. **प्रोफेसर दर्शन रंगनाथन स्मारक व्याख्यान**

लेक्चरशिप अकादमी के अध्येता प्रोफेसर एस रंगनाथन द्वारा अपनी पत्नी प्रोफेसर दर्शन रंगनाथन जो अकादमी की प्रतिष्ठित अध्येता थीं की स्मृति में विन्यास द्वारा वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु एक महिला वैज्ञानिक को दिया जाएगा। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। पहला व्याख्यान पुरस्कार 2003 में दिया गया।

*7. **प्रोफेसर एम आर एन प्रसाद स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर एम आर एन प्रसाद, एक प्रख्यात शरीर क्रिया विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में उनके सहयोगियों और मित्रों ने एक विन्यास से 1989 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान पशु विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1992 में दिया गया था।

8. **बिरेष चन्द्र गुहा स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान (श्रीमती) फूलरेणु गुहा मे अपने पति प्रोफेसर बिरेश चन्द्र गुहा, जो अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता थे, की स्मृति में एक विन्यास द्वारा 1965 में स्थापित किया था।

व्याख्यान जैवभौतिकी और जैव रसायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1969 में दिया गया था।

*9. **बिषंभर नाथ चोपड़ा व्याख्यान**

व्याख्यान डॉ. बिशंभर नाथ चोपड़ा, अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में उनके परिवार के सदस्यों द्वारा एक विन्यास से 1968 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान संयंत्र विज्ञान की किसी भी शाखा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1971 में दिया गया था।

*10. **प्रोफेसर शम्भू नाथ डे स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर एस एन डे जो सूक्ष्म जीव विज्ञान में अपने शोध के लिए एक विशिष्ट वैज्ञानिक थे, की स्मृति में सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक संघ (ए एम आई) की ओर से आठवीं खमीर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (आई यू एम एस) की आयोजन समिति द्वारा एक विन्यास से 1992 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान जैव रसायन और जैवभौतिकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1993 में दिया गया था।

11. **प्रोफेसर विष्णु वासुदेव नार्लीकर स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान स्वर्गीय प्रोफेसर वी वी नार्लीकर के परिवार के सदस्यों और एक करीबी दोस्त ने एक विन्यास द्वारा 1992 में स्थापित किया था। प्रोफेसर वी वी नार्लीकर, एक प्रख्यात गणितज्ञ और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता थे।

व्याख्यान गणित में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1994 में दिया गया था।

*12. **डा. जगदीष शंकर स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान डॉ. जगदीश शंकर, अकादमी के अध्येता और परमाणु और विकिरण रसायन विज्ञान के क्षेत्र में एक विशिष्ट वैज्ञानिक की स्मृति में 1992 में स्थापित किया गया था। विन्यास की राशि इमर्जिंग फ्रंटियर्स इन केमिस्ट्री संगोष्ठी की आयोजन समिति, छात्रों, प्रशंसकों और डॉ. शंकर के परिवार के सदस्यों द्वारा दी गयी थी।

व्याख्यान रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1994 में दिया गया था।

13. **प्रोफेसर विश्व नाथ स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान डा. विश्व नाथ, एक प्रख्यात जीव विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति और उनके छात्रों एवं परिवार के सदस्यों और मित्रों द्वारा किए गए एक विन्यास से 1992 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान जैव रसायन और जैवभौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1995 में दिया गया था।

14. **डॉ. बीरेन रॉय स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान डॉ. बीरेन रॉय, हमारे देश के एक प्रतिष्ठित एरोनॉटिकल इंजीनियर की स्मृति में बीरेन रॉय ट्रस्ट द्वारा किए गए एक विन्यास से 1993 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान भौतिकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1995 में दिया गया था।

15. **प्रोफेसर साधन बसु स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर साधन बसु जो अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता थे, की स्मृति में स्पेक्ट्रोस्कोपी के लिए बहुलक रसायन शास्त्र और क्वांटम रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान हेतु प्रोफेसर साधन बसु स्मारक निधि समिति द्वारा किए गए एक विन्यास से 1993 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1996 में दिया गया था।

16. **डॉ. येल्लाप्रगदा सुब्बा रॉव स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान जैव चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. सुब्बा रॉव की स्मृति में डॉ. येल्लाप्रगदा सुब्बा रॉव शताब्दी समारोह राष्ट्रीय समिति द्वारा किए गए एक विन्यास से 1995 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान आयुर्विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1996 में दिया गया था।

*17. **प्रोफेसर के रंगधामा राव स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर के रंगधामा राव, एक प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता के छात्रों द्वारा एक विन्यास से 1979 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान स्पेक्ट्रोस्कोपी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1979 में दिया गया था।

***18. प्रोफेसर रंगो कृष्णा आसुंदी स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर रंगो कृष्णा आसुंदी, स्पेक्ट्रोस्कोपी के क्षेत्र में अकादमी के प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में आसुंदी विन्यास कोष से 1983 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान स्पेक्ट्रोस्कोपी में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1984 में दिया गया था।

***19. प्रोफेसर टोप्पूर सीतापति सदाशिवन व्याख्यान**

व्याख्यान प्रोफेसर टोप्पूर सदाशिवन जो अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता थे और शरीर विज्ञान और पादप विकृति विज्ञान में अपने शोध के लिए जाने जाते हैं, उनकी स्मृति में प्रोफेसर टोप्पूर सीतापति सदाशिवन विन्यास समिति द्वारा 1982 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान पादप विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1982 में दिया गया था।

***20. प्रोफेसर पंचानन महेश्वरी स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान स्वर्गीय प्रोफेसर पंचानन महेश्वरी, एक प्रख्यात वनस्पति विज्ञानी और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता के सहयोगियों और मित्रों ने एक विन्यास से 1984 में स्थापित किया था।

व्याख्यान पादप विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1987 में दिया गया था।

***21. डॉ. गुरु प्रसाद चटर्जी स्मारक व्याख्यान**

व्याख्यान डॉ. गुरु प्रसाद चटर्जी, एक प्रख्यात धातुशोधन और अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में डॉ. जीपी चटर्जी और श्रीमती सुनीति चटर्जी द्वारा एक विन्यास से 1979 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1981 में दिया गया था।

22. प्रोफेसर हर स्वरूप स्मारक व्याख्यान

व्याख्यान की स्थापना 1981 में प्रोफेसर हर स्वरूप जो अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता थे और जिन्हें शरीर क्रिया विज्ञान जीव विज्ञान और विकास पर अपने शोध के लिए जाना जाता है, की स्मृति में डॉ. (श्रीमती) सावित्री स्वरूप द्वारा एक विन्यास से की गई थी।

व्याख्यान पशु विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 1984 में दिया गया था।

23. डॉ. एमआर दास स्मारक व्याख्यान

लेक्चररशिप डॉ. एमआर दास, अकादमी के एक प्रतिष्ठित अध्येता की स्मृति में उनकी पत्नी डॉ. (श्रीमती) राधा आर दास द्वारा किए गए एक विन्यास से 2003 में स्थापित किया गया था।

व्याख्यान जैव भौतिकी और जैव रसायन में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। पुरस्कार में 25,000 रुपये का मानदेय और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। प्रथम पुरस्कार 2005 में दिया गया था।

चयन की प्रक्रिया और अन्य शर्तें

(विषयवार पदक/व्याख्यान और इंसा – वेणु बापू मेमोरियल पुरस्कार के लिए)

1. **पुरस्कार की सूचनाः** पुरस्कार के पूर्ववर्ती वर्ष में अगस्त में, कार्यकारी निदेशक अकादमी के सभी अध्येताओं से 15 अक्टूबर तक नामांकन भेजने के लिए आमंत्रण परिपत्र जारी करेंगे।

   नामांकन पत्र निम्नलिखित जानकारी निर्दिष्ट करेगा (क) उम्मीदवार का पूरा नाम, उम्र और पता; (ख) शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता एवं पद भार; (ग) संबद्ध निकाय में उम्मीदवार के उल्लेखनीय कार्य और उस कार्य के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त बयान (लगभग 300–350 शब्दों का); और (घ) सबसे महत्वपूर्ण प्रकाशित काम की सूची (10 से अधिक नहीं)।

   नामांकन आमंत्रण पत्र में पुरस्कार के पिछले सभी प्राप्तकर्ताओं के नामों का उल्लेख होना चाहिए।

2. **सलाहकार बोर्ड की नियुक्तिः** प्रत्येक पुरस्कार के लिए परिषद की दिसंबर/जनवरी में आयोजित होने वाले एक बैठक में परिषद के अध्यक्ष के रूप में इंसा के अध्यक्ष सहित सात सदस्यों के एक सलाहकार बोर्ड की नियुक्ति होगी। पुरस्कार के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य नहीं होंगे। बोर्ड के अध्यक्ष का एक निर्णायक मत होगा।

   प्रस्तावित उम्मीदवार की चयन समिति की नियुक्ति या समिति की किसी अन्य गतिविधि में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

3. **सलाहकार बोर्ड के सदस्य के लिए सूची का वितरणः** कार्यकारी निदेशक सलाहकार बोर्ड के सदस्यों को वैध नामांकन की सूची प्रसारित करने की व्यवस्था करेंगे जिसमें उम्मीदवार के संक्षिप्त विवरण के साथ उनकी विस्तृत जानकारी भी होगी। सलाहकार बोर्ड के सदस्यों से अनुरोध किया जाएगा कि एक या अधिक नामों का, विशिष्ट कारण देते हुए, चयन करें और नाम अध्यक्ष के विचार हेतु बढ़ा दें। सलाहकार बोर्ड के सदस्यों से, यदि वे चाहें तो सलाहकार बोर्ड की बैठक की तिथी से एक माह पूर्व अतिरिक्त नाम भेजने का भी अनुरोध किया जा सकता है।

4. **सलाहकार बोर्ड द्वारा चयनः** बोर्ड के अध्यक्ष, सदस्यों के विचारों की प्राप्ति पर, विषय समितियों की बैठक की तिथी के करीब अप्रैल में सलाहकार बोर्ड की बैठक बुलाते हैं। बोर्ड की सिफारिशों पर परिषद द्वारा विचार किया जाएगा। बोर्ड को अधिकार है कि उपयुक्त उम्मीदवार न मिलने की स्थिति में सभी नाम रद्द कर दिए जाएं, ऐसी स्थिति में उस वर्ष काई पुरस्कार नहीं दिया जाएगा।

5. **परिषद को चयनित नाम सूचित किया जानाः** अप्रैल में आयोजित होने वाली परिषद की बैठक में सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष से प्राप्त रिपोर्ट पर विचार किया जाएगा और पुरस्कार के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। परिषद को अधिकार है कि एक से अधिक वैज्ञानिक का पुरस्कार हेतु चयन किया जाए। ऐसे मामले में मानदेय की राशि को समान रूप से पुरस्कार के प्राप्तकर्ता वैज्ञानिकों में विभाजित की जाएगी लेकिन हर एक को अलग पदक दिया जाएगा।

6. **घोषणाः** प्राप्तकर्ता(ओं) का नाम(ओं) की घोषणा अप्रैल में आयोजित आम सभा की बैठक में फैलोशिप को किया जाएगा।

(द) युवा वैज्ञानिकों के लिए पुरस्कार

1. **युवा वैज्ञानिकों के लिए इंसा पदक**

परिचय

1974 में, कोठारी वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान के सहयोग से अकादमी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध योगदान हेतु विशिष्ठ युवा वैज्ञानिकों के चयन हेतु युवा वैज्ञानिकों के लिए विज्ञान अकादमी पदक की योजना की शुरूआत की। 1981 के बाद से, हालांकि, यह पुरस्कार केवल इंसा द्वारा प्रबंधित और वित्त पोषित किया गया है। इंसा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार रचनात्मकता और उत्कृष्टता के उच्चतम स्तर पर पहचाना जाता है जो किसी भी युवा वैज्ञानिक को भारत में किए गए उनके शोध कार्य के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है। 2013 तक, 678 युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया है। उनमें से कई एक पुरस्कृत वैज्ञानिकों ने अपने व्यवसाय में उत्कृष्ट योगदान दिया है और देश में और विदेश दोनों में आगे सम्मान जीतना जारी रखा है।

पात्रता

एक युवा वैज्ञानिक के लिए अकादमी पदक पुरस्कार भारत में किए गए काम के आधार पर, अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त विज्ञान या तकनीक की किसी भी शाखा में उल्लेखनीय योगदान हेतु दिया जाएगा।

भारत का कोई भी नागरिक जिसने पुरस्कार के पूर्ववर्ती वर्ष की 31 दिसंबर को 35 साल की उम्र हासिल नहीं किया है, इस पुरस्कार के लिए पात्र होगा।

पुरस्कारों की संख्या

किसी भी वर्ष में दिए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या 30 तक सीमित है।

नामांकन और अंतिम तिथि

पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रण अधिसूचना प्रति वर्ष अप्रैल/मई में आयोजित अकादमी की परिषद बैठक के बाद जारी किया जाएगा।

उम्मीदवार भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्येता द्वारा या इस पुरस्कार के पिछले प्राप्तकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर की वैज्ञानिक सोसायटी, विश्वविद्यालय संकाय, स्नातकोत्तर विभाग या अनुसंधान संस्थान भी पात्र उम्मीदवारों का नामांकन कर सकते हैं।

नामांकन 3 साल या पात्र की आयु, जो भी पहले समाप्त हो रहा है, के लिए वैध रहेगा। फिर भी यदि पात्र ने आयु सीमा पार नहीं किया है तो पुनः नामांकन (केवल एक बार), किया जा सकता है।

नामांकन निर्धारित प्रारूप में किया जाएगा। सभी समर्थन दस्तावेजों के साथ दो हार्ड कापी और एक सॉफ्ट कॉपी (केवल एमएस वर्ड में), 31 अक्टूबर तक अकादमी में जमा करना होगा।

पुरस्कार के लिए चयन समिति

उपाध्यक्ष (अध्येतावृत्ति मामाले), नामांकन की जांच कर सकते हैं और विचार के लिए विभिन्न विषय समितियों को आबंटित करते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु, अकादमी की परिषद विषय समितियों की सिफारिशों के साथ ही अन्य संबंधित जानकारी पर विचार करेगा।

विषय समितियों के सदस्यों के लिए सूची का परिसंचरण

जनवरी के दूसरे सप्ताह तक, अकादमी नामांकनों की विवरण सहित सूची संबंधित अनुभागीय समितियों के सदस्यों के विचार हेतु प्रसारित करेगी इस अनुरोध के साथ कि अपने आकलन के आधार पर 1 मार्च तक संबंधित अनुभागीय समितियों के संयोजक को उम्मीदवार का नाम भेज दें ।

संयोजक, यदि आवश्यक हो, तो ऐसे उम्मीदवार, जिनका विशेषज्ञता का क्षेत्र स्पष्ट रूप से उचित अनुभागीय समिति के सदस्यों के बीच प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा हो उसे अकादमी के विशेषज्ञ अध्येताओं के पास भेज सकते हैं।

श्रेणीकरण

उम्मीदवारों का मूल्यांकन रेफरियों द्वारा निम्न ग्रेड में किया जाएगाः–

(क) अति उत्तम; (ख) उत्तम; (ग) औसत; (घ) अनुपयुक्त

विभिन्न अनुभागीय समितियों के संयोजक प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा प्राप्त ग्रेड की एक सूची तैयार करेंगे और उनके काम के आधार पर ऑर्डर ऑफ मेरिट में अधिकतम सात उम्मीदवारों को प्रस्तुति के लिए बुलायेंगे बशर्ते कि आकलन भेजने वाले सदस्यों में से 50% सदस्यों द्वारा उन्हें 'बी' ग्रेड दिया गया हो। अनुभागीय समितियों के कम से कम पांच सदस्यों के आकलन सिफारिश करने से पहले हासिल किया जाना चाहिए।

उम्मीदवारों को अपने काम का प्रदर्शन संबंधित अनुभागीय समिति के सदस्यों के समक्ष पेश करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। ऐसी प्रस्तुतियों में अन्य विशेषज्ञों (अकादमी अध्येताओं) की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। ये विशेषज्ञ, यदि चाहें तो, अनुभागीय समिति के संयोजक को अपने विचार दे सकते हैं।

अनुभागीय समितियों की बैठकें आम तौर पर हर वर्ष मार्च/अप्रैल के दूसरे सप्ताह के दौरान आयोजित की जायेंगी। अनुभागीय समितियों को इस काम के लिए विशेष रूप से एक पूरा दिन समर्पित करना होगा।

अनुभागीय समितियों के समक्ष अपने काम को पेश करने के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का वापसी रेल किराया और लागू के रूप में स्थानीय वाहन खर्च दिया जाएगा। टिकट दिखने पर खर्च की प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

विषय समितियों की सिफारिशें

प्रत्येक अनुभागीय समिति विधिवत उपस्थित सभी सदस्यों के हस्ताक्षर के बाद लेखन में परिषद को अपनी सिफारिशें भेजेगी। सिफारिशों में प्राथमिकता के क्रम में, पांच से ज्यादा नाम नहीं होने चाहिए। चयन के लिए मुख्य मापदंड होंगे उम्मीदवार के अनुसंधान योगदान की मौलिकता और प्रकाशनों और प्रस्तुति के दौरान उसका प्रदर्शन।

बैठक के तुरंत बाद संयोजक द्वारा अनुभागीय समिति की सिफारिशें एक सील बंद लिफाफे में अकादमी के उपाध्यक्ष (अध्येतावृत्ति मामले) को संबोधित करके सौंप दिया जाएगा।

परिषद द्वारा चयन

परिषद द्वारा अनुभागीय समितियों के संयोजक से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर अप्रैल/मई के महीने में बैठक में इस पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों का चयन होगा।

पुरस्कार की घोषणा

परिषद द्वारा पुरस्कार के लिए चयनित युवा वैज्ञानिकों के नामों अप्रैल/मई के महीने में साधारण आम बैठक में घोषित किए जाएंगे और बाद में पुरस्कार विजेताओं/फैलोशिप को सूचित किया जाएगा।

पदक की प्रस्तुति

वर्षगांठ आम बैठक के समय अध्यक्ष, इंसा द्वारा पदक प्रदान किये जाऐंगे।

पदक प्राप्त करने के लिए पुरस्कार विजेताओं को (पति या पत्नी या एक अन्य व्यक्ति के साथ) पदक ग्रहण समारोह में भाग लेने हेतु वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का रेल किराया और स्थानीय वाहन खर्च भुगतान किया जाएगा। प्रतिपूर्ति टिकट जमा करने पर किया जाएगा।

अकादमी पुरस्कार की प्रस्तुति के समय पुरस्कृत युवा वैज्ञानिकों के योगदान को दर्शाते हुए एक प्रकाशन निकालेगी।

मूल्य

पुरस्कार में निम्नलिखित विनिर्देशों का एक कांस्य पदक दिया जाएगा

(1) मापः व्यास में 6.35 सेंटीमीटर
(2) वजनः लगभग 114 ग्राम
(3) डिजाइन
अग्रभागः पदक का नाम (देवनागरी लिपी में) प्राप्तकर्ता का नाम (देवनागरी लिपी में) वर्ष (अंतर्राष्ट्रीय अंकों में)
रिवर्सः अकादमी की मुहर

प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्ता को एक पदक, प्रमाण पत्र और 25,000 रुपये नकद दिये जाऐंगे। इसके अलावा, प्राप्तकर्ता को बीज पूंजी के साथ अनुसंधान समर्थन करने के लिए विचार किया जा सकता है।

पुरस्कार प्राप्त होने के पांच साल के भीतर प्राप्तकर्ता को सम्मेलनों में शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए पूर्ण समर्थन के साथ विदेश यात्रा के लिए समर्थित किया जाता है, और जहाँ भी संभव हो सहयोगी/प्रशिक्षण अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने हेतु भेजा जाता है।

अपने कैरियर के विकास स्वरूप, जो युवा वैज्ञानिक उपयुक्त स्थान प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन्हें एक अंतरिम फैलोशिप (योग्यता और अनुसंधान के अनुभव के आधार पर राशि) और 25,000 रुपये प्रति वर्ष की आकस्मिक अनुदान राशि के लिए विचार किया जा सकता है। इस फैलोशिप का लाभ उठाने के लिए, पुरस्कार प्राप्तकर्ता को किसी शोध/शैक्षिक संस्था से जुड़ा होना चाहिए। फैलोशिप की अवधि अधिकतम तीन वर्ष की हो सकती है।

सभी युवा पुरस्कार विजेताओं के कैरियर के विकास के संबंध में प्रासंगिक जानकारी बनाए रखने के लिए अकादमी द्वारा उचित कदम उठाए जायेंगे।

*2. प्रोफेसर एल एस एस कुमार स्मारक पुरस्कार

इस पुरस्कार की स्थापना प्रोफेसर एल एस एस कुमार, जो एक प्रतिष्ठित अध्येता थे और आनुवंशिकी और पादप प्रजनन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं, उनकी स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती के कुमार, ने एक विन्यास द्वारा 1986 में की थी।

पात्रता और मूल्य

यह पुरस्कार इंसा के 'वर्ष के युवा वैज्ञानिक पुरस्कार' को रोटेशन से पादप विज्ञान (अनुभागीय समिति सप्तम), पशु विज्ञान (अनुभागीय समिति आठवीं) और कृषि विज्ञान (अनुभागीय समिति बारहवीं) के लिए पदक के प्राप्तकर्ता को दिया जाएगा, यानि प्रथम पुरस्कार पादप विज्ञान के क्षेत्र में, द्वितीय पशु विज्ञान और तृतीय कृषि विज्ञान के क्षेत्र में और चक्र दोहराया जाएगा। यदि एक से अधिक व्यक्ति की इंसा के युवा वैज्ञानिक पदक के लिए सिफारिश की जाती है तो सूची में ऑर्डर ऑफ मेरिट में पहले व्यक्ति को पुरस्कार दिया जाएगा। पुरस्कार में 1000 रुपये दिए जाऐंगे।

पुरस्कार की घोषणा और प्रस्तुति

पुरस्कार के लिए चयनित वैज्ञानिक का नाम अगस्त में आयोजित होने वाले परिषद की बैठक में सूचित किया जाएगा। पुरस्कार दिसंबर में युवा वैज्ञानिकों के लिए इंसा पदक की प्रस्तुति के समय में दिया जाएगा।

*3. अनिल कुमार बोस स्मारक पुरस्कार

इस पुरस्कार की स्थापना स्वर्गीय श्री अनिल कुमार बोस, पूर्व कार्यकारी सचिव, इंसा, के दोस्तों, अध्येताओं और परिवार के सदस्यों से प्राप्त विन्यास राशि से 1987 हुई।

पात्रता

इंसा पदक प्राप्तकर्ता युवा वैज्ञानिक जिनकी उम्र पुरस्कार के पूर्ववर्ती वर्ष के 31 दिसंबर को 40 साल से कम हो, इस पुरस्कार को पाने के पात्र हैं।

संख्या और क्षेत्र

युवा वैज्ञानिकों के लिए इंसा पदक पुरस्कार की प्राप्ति की तारीख से पांच साल के भीतर भारत में किए गए कार्य पर युवा वैज्ञानिक के लिए इंसा पदक के प्राप्तकर्ता द्वारा प्रतिष्ठित जर्नल में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए दो पुरस्कार (एक भौतिक विज्ञान में और एक जीव विज्ञान में) 1 से 6 और 7 से 12 अनुभागीय समितियों के अंतर्गत आने वाले विषयों में किया जाएगा। वार्षिक आम बैठक में अक्टूबर 1988 में दिए जाने वाले प्रथम पुरस्कार के लिए विचाराधीन अवधि 1983–1987 यानी, पिछले पांच कैलेंडर वर्ष होगी। आने वाले वर्षों में, विचाराधीन अवधि में पिछले पांच साल के लिए किया जाएगा।

मूल्य

पुरस्कार में 1,000 रुपये, एक कांस्य पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्राप्तकर्ता को रूप में लागू वास्तविक द्वितीय श्रेणी का वातानुकूलित रेल किरयाय और स्थानीय यात्रा व्यय का भुगतान किया जाएगा। प्रतिपूर्ति टिकट जमा करने पर की जाएगी।

पात्र उम्मीदवारों द्वारा पुरस्कार के लिए प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र में निम्नलिखित जानकारी के साथ जमा किया जाएगा :–

(क) सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र की 15 प्रतियां।

(ख) प्रकाशनों की पूरी सूची की 15 प्रतियां।

(ग) युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करने के बाद प्रकाशित सभी कागजात का एक पूरा सेट। अकादमी में प्रविष्टियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी होगी।

सलाहकार समिति

पुरस्कार के लिए नामों की सिफारिश करने वाली सलाहकार समिति अध्यक्ष, उपाध्यक्ष (प्रकाशन/सूचना विज्ञान), उपाध्यक्ष (अध्येतावृत्ति मामले), संबद्ध अनुभागीय समितियों के संयोजक और यदि आवश्यक हो तो अध्यक्ष द्वारा नामित एक या दो विशेषज्ञ, से मिलकर बनेगी। सलाहकार समिति की बैठक अनुभागीय समितियों की बैठकों के समय पर अप्रैल/मई में होगी।

चयन और पुरस्कार की घोषणा

अप्रैल/मई में आयोजित होने वाले परिषद की बैठक में सलाहकार समिति की सिफारिशों पर विचार किया जाएगा और पुरस्कारों के बारे में निर्णय लिया जाएगा। पुरस्कार विजेताओं के नाम फैलोशिप को सूचित किये जायेंगे।

पुरस्कार की प्रस्तुति

पुरस्कार की प्रस्तुति वर्षगांठ आम बैठक में होगी।

(ई) इंसा शिक्षक पुरस्कार

क्षेत्र

अकादमी ने 2012 में उत्कृष्टता की पहचान और मूल्यांकन, स्थिरता और देश के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अध्यापन का उच्च स्तर बनाए रखने के लिए इंसा शिक्षक पुरस्कार की स्थापना की। पुरस्कार छात्रों को मार्गदर्शन, और प्रेरणा प्रदान देने, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कॅरिअर शुरू करने के लिए दी गयी सलाह हेतु शिक्षकों की पहचान और सम्मान के लिए वार्षिक रूप से दिया जाएगा। अभियांत्रिकी एवं आयुर्विज्ञान सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सभी विषय इस पुरस्कार के दायरे में आते हैं।

पात्रता

पुरस्कार अति उत्तम शिक्षकों को दिया जाएगा जो वर्तमान में किसी भी भारतीय महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/संस्थान में स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षणरत या सेवानिवृत्त हों और जिन्हें कम से कम 20 साल का भारत में कार्य करने का अनुभव प्राप्त हो। चयन शिक्षण में उत्कृष्टता जो छात्रों के प्रदर्शन द्वारा स्पष्ट रूप से दिखाई दे, छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कॅरिअर शुरू करने के लिए प्रेरित करना और नवीन शिक्षण विधियाँ लागू करना, प्रयोग और सामग्री, और अध्यापन शुरू करने में लगातार उत्कृष्टता के आधार पर दिया जाएगा। विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी अतिरिक्त विचारणीय मानदंड होंगे।

पुरस्कारों की संख्या

किसी भी वर्ष में दिए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या 10 तक सीमित है।

नामांकन और अंतिम तिथि

पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रण अधिसूचना प्रति वर्ष फरवरी/मार्च के महीने में जारी किया जाएगा।

एक शिक्षक इंसा के अध्येताओं, कॉलेज के प्रधानाचार्य, विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, किसी संस्था के निदेशक, सहयोगी या पूर्व छात्र द्वारा नामित किया जा सकता है जो किसी शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थान एवं विकास संस्था के साथ जुड़ा हुआ हो। नामजद करने वाला व्यक्ति एक वर्ष में केवल एक ही नामांकन भेज सकता है।

नामांकन केवल एक वर्ष के लिए विचार के लिए वैध रहेगा। किसी नामांकन को आगे नहीं ले जाया जाएगा।

नामांकन निर्धारित प्रारूप में किया जाएगा। सभी समर्थन दस्तावेजों के साथ दो हार्ड प्रतियां औरएक सॉफ्ट कॉपी (केवल एमएस वर्ड में), 31 मई तक अकादमी में पहुँचना चाहिए।

पुरस्कार के लिए चयन समिति

नामांकन पर अध्यक्ष, इंसा द्वारा विधिवत रूप से गठित समिति द्वारा विचार किया जाएगा। बैठक के दौरान कोई नए नामों की चर्चा या प्रस्तावना नहीं होनी चाहिए। समिति अंतिम मंजूरी के लिए अक्टूबर की बैठक में परिषद को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगी।

संयोजक, यदि आवश्यक हो, तो ऐसे उम्मीदवार, जिनका विशेषज्ञता का क्षेत्र स्पष्ट रूप से उचित अनुभागीय समिति के सदस्यों के बीच प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा हो उसे अकादमी के विशेषज्ञ अध्येताओं के पास भेज सकते हैं।

पुरस्कार की घोषणा

पुरस्कार के लिए चयनित पुरस्कार विजेताओं के नामों की घोषणा अक्टूबर के महीने में वार्षिक आम बैठक में की जाएगी और बाद में पुरस्कार विजेताओं को सूचित किया जाएगा।

पुरस्कार की प्रस्तुति

पुरस्कार की प्रस्तुति वर्षगांठ आम बैठक के समय अध्यक्ष, इंसा, द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पुरस्कार विजेताओं को (पति या पत्नी के साथ) विमान किराया (इकॉनमी) और स्थानीय यात्रा व्यय का भुगतान किया जाएगा। इंसा स्थानीय आतिथ्य प्रदान करने में मदद मिलेगी। प्रतिपूर्ति टिकट जमा करने पर पर की जाएगी।

मूल्य

प्रत्येक व्यक्ति को एक स्क्रॉल और 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, पुरस्कृत व्यक्ति एक बार के लिए 20,000 रुपये के पुस्तक अनुदान के लिए भी पात्र होंगे। इसके लिए घोषणा के एक वर्ष के भीतर प्रतिपूर्ति हेतु उपयुक्त बिल पुरस्कार अकादमी में जमा होना चाहिए।

(च) 2014 – इंसा विज्ञान के युवा इतिहासकार पुरस्कार

इंसा के युवा इतिहासकार वैज्ञानिक पुरस्कार की स्थापना विज्ञान का इतिहास क्षेत्र में असाधारण क्षमता और रचनात्मकता दर्शाने वाले युवा वैज्ञानिक इतिहासकार जिन्होंने उल्लेखनीय शोध योगदान किया हो उन्हें पहचानने हेतु किया गया है। रचनात्मकता और उत्कृष्टता के उच्चतम स्तर पर पहचान माना गया यह पुरस्कार, भारत में किए गए उनके शोध कार्य के सबूत के रूप में इन विशेषताओं के लिए प्रतिष्ठित विज्ञान के इतिहासकारों के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है।

पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र, एक कांस्य पदक और 25,000 रुपये की नकद राशि और कैरियर की उन्नति के लिए विदेशों में प्रशिक्षण और अनुसंधान आरंभ करने के लिए और बीज राशि भी दी जाती है।

उम्मीदवार का नामांकन भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्येता या अन्य राष्ट्रीय वैज्ञानिक सोसायटी, विश्वविद्यालयों के कुलपति और अनुसंधान संस्थानों के प्रमुखों द्वारा किया जा सकता है। नामांकन प्रपत्र वेबसाइट www.insaindia.org से डाउनलोड किया जा सकता है।